

प्रेषक,

सचिव,
नियोजन विभाग
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अपर सदस्य सचिव,
राज्य योजना आयोग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

नियोजन अनुभाग-1

देहरादून, दिनांक: 18 जनवरी, 2016

विषय-वित्तीय वर्ष 2015-16 में भागीरथी नदी घाटी विकास प्राधिकरण हेतु आयोजनागत पक्ष में अवचनबद्ध मद में धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपर मुख्य सचिव, वित्त उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-XXVII(1)/2014 दिनांक 1 अप्रैल, 2015 तथा अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी भागीरथी नदी घाटी विकास प्राधिकरण देहरादून के पत्र संख्या-499, दिनांक 5 जुलाई, 2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय भागीरथी नदी घाटी विकास प्राधिकरण के क्रियान्वयन हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में आयोजनागत पक्ष की अनुदान संख्या-7 के अधीन लेखाशीर्षक 3451-सचिवालय आर्थिक सेवायें-092-अन्य कार्यालय-06-भागीरथी नदी घाटी विकास प्राधिकरण की स्थापना-20-सहायक अनुदान/अंशदान/ राजसहायता के अन्तर्गत संलग्नक में अंकित विवरणानुसार कुल धनराशि रु0 25 लाख (रु0 पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि को आपके निर्वर्तन पर रखने की स्वीकृति निम्न प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त स्वीकृति वित्त विभाग के उपर्युक्त शासनादेश दिनांक 1 अप्रैल, 2015 में दिये गये निर्देशानुसार ही व्यय की जायेगी एवं उक्त शासनादेश में वर्णित निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जायेगा। ताकि समय एवं लागत वृद्धि से बचा जा सके।
- 2- स्वीकृत धनराशि आप द्वारा योजना क्रियान्वयन हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी, भागीरथी नदी घाटी विकास प्राधिकरण, उत्तराखण्ड देहरादून को आवश्यकतानुसार उपलब्ध करायी जायेगी और यथा आवश्यक सम्बंधित अधिकारी अंकित व्यवस्थानुसार समय-समय पर इसका आहरण/व्यय करेंगे।
- 3- प्राधिकरण द्वारा उपयुक्त धनराशि का उपयोग उन्हीं विकास कार्यों हेतु किया जायेगा जो कार्यपालिका समिति द्वारा स्वीकृत हों तथा उपयुक्त प्रयोजन के अतिरिक्त अन्य प्रयोजन हेतु स्वीकृत धनराशि व्यय नहीं की जायेगी।
- 4- कार्यों की मासिक प्रगति प्राधिकरण द्वारा प्रत्येक अगले माह की 10 तारीख तक शासन को उपलब्ध करायेगी। कार्यों का अनुश्रवण एवं भौतिक सत्यापन नियमानुसार सुनिश्चित किया जायेगा।
- 5- योजना पर होने वाले उक्त व्यय का सम्परीक्षण महालेखानियंत्रक, भारत सरकार द्वारा किया जायेगा। यह सुनिश्चित किया जाये कि उक्त स्वीकृत धनराशि का मदवार व्यय विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर शासन को तथा महालेखाकार को उपलब्ध कराया जायेगा।

- 6- स्वीकृते की जा रही धनराशि का एक मुश्त आहरण नहीं किया जायेगा बल्कि वास्तविक आवश्यकता पर उतनी ही धनराशि आहरित की जायेगी जितनी आवश्यक हो यदि गत वर्षों की धनराशि व्यय हेतु बची हो तो सर्वप्रथम उसको व्यय किया जायेगा और तब तक इस आदेश में इंगित धनराशि आहरित नहीं की जायेगी
- 7- कार्य मसयबद्ध रूप में पूर्ण किया जायेगा यदि विलम्ब के कारण कार्य की लागत में वृद्धि होती है तो उसका उत्तरदायित्व प्राधिकरण का होगा।
2. उक्त संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष-2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान सं०-7 के लेखार्शीर्षक "3451-सचिवालय आर्थिक सेवायें-092-अन्य कार्यालय-06-भागीरथी नदी घाटी विकास प्राधिकरण की स्थापना-20-सहायक अनुदान/अशंदान/राजसहायता के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जायेगा।
3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 92P/XXVII(5)/2015-16 दिनांक 01. जनवरी, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,
(डॉ० एम०सी० जोशी)
सचिव।

संख्या: 14/XXVI/एक भागीरथी(06)/2015-तददिनांकित।

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, ओबरॉय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़ देहरादून।
2. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
3. वित्त अधिकारी, केन्द्रीयकृत लेखा एवं भुगतान कार्यालय, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
4. अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, भागीरथी विकास प्राधिकरण, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. वित्त विभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
6. समन्वयक राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर देहरादून।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(डॉ० रंजीत कुमार सिंह)
अपर सचिव।